शोध मंथन Vol. XII No.III July-Sep. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 8.354 (SJIF)

गोरखपुर–बस्ती मण्डल में औद्योगिक फसल गन्ना का प्रतीक अध्ययन (2018–19)

प्राप्तिः 27.08.2021
स्वीकृतः 14.09.2021

इंग्लेश यादव
शोधार्थी, भूगोल विभाग,
दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर
ईमेलः *yadavinglesh91@gmail.com*

सारांश

वर्तमान समय में सभी देश अथवा क्षेत्र औद्योगिक विकास हेतु प्रयत्नशील है। औद्योगिक विकास के द्वारा ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सम्भव है। किसी क्षेत्र में स्थायी एवं सन्तुलित औद्योगिक विकास के लिए उस क्षेत्र के स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग एवं विकास किया जाना आवश्यक होता है। अतः अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख औद्योगिक फसल गन्ना का प्रतीक अध्ययन किया गया है।

मूल बिन्दु

औद्योगिक फसल, औद्योगिक विकास, संसाधन, कच्चा माल, उत्पादकता।

प्रस्तावना

औद्योगिक विकास किसी देश अथवा क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास का प्रमुख संकेतक है। साथ ही सर्वांगीण विकास के लिए संतुलित औद्योगिक विकास अति आवश्यक है। क्षेत्र विशेश में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर उद्योगों का संरचनात्मक विकास होता है। सार्वजनिक अथवा व्यक्तिगत क्षेत्र में सदैव सरलता से उपलब्ध संसाधनों, पूँजी तथा तकनीक आदि सुविधाओं के कारण उद्योगों का विकास सम्भव हो पाता है। भौगोलिक परिवेश ही संसाधनों के स्रोत होते है। 'मानव विवेक, संस्कषति, ज्ञान–विज्ञान, प्राविधिकी सहित वे सभी दशायें तत्व परिस्थितियाँ, व्यवस्थायें, संस्थायें एवं वस्तुएँ संसाधन है जिनकी उपयोगिता मानव संज्ञान में है (जगदीश सिंह 2006)।

किसी भी क्षेत्र के संसाधन उस क्षेत्र की आर्थिक क्रियाओं के लिए आधार प्रस्तुत करते है। जिस प्रदेश अथवा क्षेत्र का संसाधन आधार जितना विस्तष्त होता है, उसी के अनुरूप वहाँ के आर्थिक विकास की सम्भावनायें सन्निहित रहती है। औद्योगिक संसाधन आधार से तात्पर्य कारखानों के स्थापना तथा संचालन के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधायें है। यथा – कच्चा माल, श्रम, पूँजी, जल, अवस्थापनात्मक विकास एवं सरकारी नीतियाँ आदि। सामान्यतः उद्योगों की स्थापना के लिए खनिज संसाधन, कषशि उत्पादन, वन संसाधन अथवा पशु उत्पाद आदि प्रमुख पदार्थ है, जो कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होते है। अध्ययन क्षेत्र खनिज संसाधन विहीन क्षेत्र है, किन्तु फसलोत्पादन हेतु परिस्थितियाँ अनुकूल है। अतः प्रस्तुत शोध प्रपत्र में अध्ययन क्षेत्र मे उत्पादित प्रमुख औद्योगिक फसल गन्ना के उत्पादन एवं वितरण प्रतिरूप का भौगोलिक विश्लेशण किया गया है जिससे क्षेत्र में संभावी उद्योगों की स्थापना एवं विकास की रूपरेखा बनाई जा सके।

उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्र में उद्योगों के विकास के लिए प्रमुख औद्योगिक फसल गन्ना का प्रतीक अध्ययन करना है जिससे भावी औद्योगिक विकास के लिए सम्भावनाओं का पता लगाया जा सके।

आंकड़ों का स्रोत एवं विधितंत्र

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु मुख्यतः द्वितीय आंकड़ें जिसमें जिला सांख्यिकी पत्रिका एवं मण्डलीय सांख्यिकी पत्रिका 2019 से आंकड़ों का संकलन एवं परिकलन किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

गोरखपुर–बस्ती मण्डल (गोरखपुर परिक्षेत्र) उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में $26^{0}6'$ उत्तरी से $27^{0}30'$ उत्तरी अक्षांश एवं $82^{0}17'$ पूर्वी से $84^{0}25'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य विस्तष्त है। क्षेत्र का पश्चिम से पूर्व अधिकतम विस्तार लगभग 255 किमी0 एवं उत्तर से दक्षिण अधिकतम विस्तार लगभग 120 किमी0 है तथा क्षेत्रफल 19196 वर्ग किमी0 है, जो उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का 8.05 प्रतिशत हैं क्षेत्र की उत्तरी सीमा भारत–नेपाल की अन्तर्राश्ट्रीय सीमा निर्धारित करती है जो तराई क्षेत्र में स्थित है, दक्षिणी–पश्चिमी सीमा घाघरा नदी द्वारा पूर्वी सीमा गण्डक नदी द्वारा निर्धारित होती है।

गोरखपुर एवं बस्ती मण्डल का सम्पूर्ण क्षेत्र पूर्व काल में गोरखपुर जिले के अन्तर्गत था। वर्तमान समय में इस क्षेत्र में कुल सात जनपद – बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, गोरखपुर,

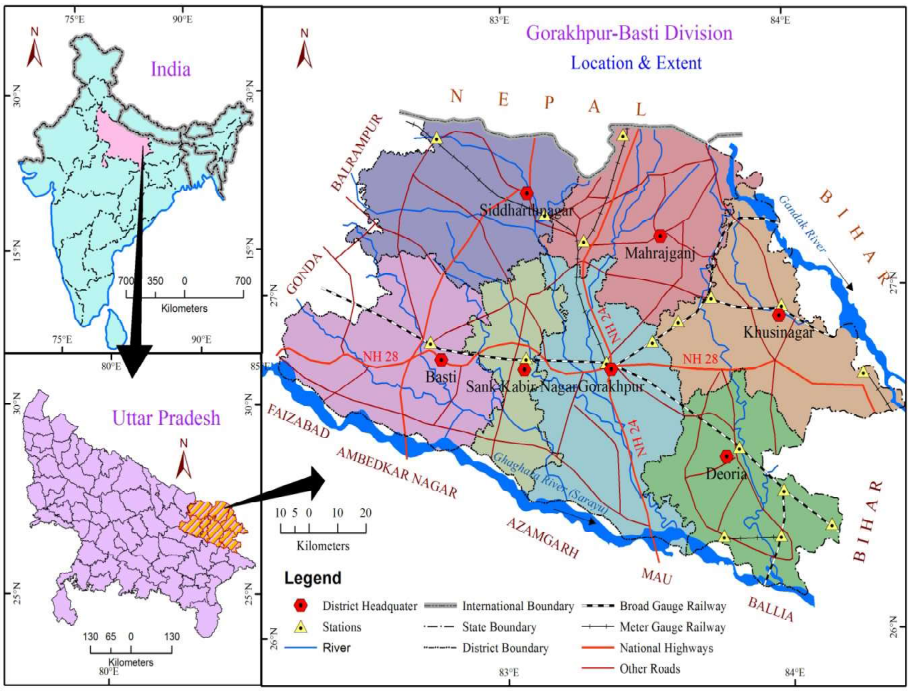

महराजगंज कुशीनगर एवं देवरिया सम्मिलित है जिसमें कुल 34 तहसीलें, 98 विकासखण्ड तथा 15858 ग्राम स्थित है।

गोरखपुर–बस्ती मण्डल की जलवायु उपोश्ण मानसूनी है, तथा कोपेन की जलवायु वर्गीकरण में Cwa श्रेणी के अन्तर्गत है। यहाँ की प्रमुख नदियों में घाघरा, राप्ती, गण्डक तथा रोहिन है। यहाँ की कुल जनसंख्या 20730032 व्यक्ति (जनगणना 2011) है।

गन्ना फसल का प्रतीक अध्ययन

गोरखपुर–बस्ती मण्डल में गन्ना प्रमुख कषशि आधारित वष्हद्ध उद्योगों के लिए कच्चा माल सुलभ कराती है। औद्योगिक फसल के रूप में सर्वाधिक महत्वपूर्ण गन्ना के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल 142853 हेक्टेयर है, जो शुद्ध बोये गये क्षेत्र का 10.30 प्रतिशत है। गोरखपुर–बस्ती मण्डल के कषशि तंत्र में गन्ना का असाधारण महत्व है। गन्ना क्षेत्र की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नगदी फसल है। इस प्रकार सामान्यतः निर्वाहक कषशि तंत्र में गन्ना किसान की आय का एकमात्र स्रोत है। गन्ना फसल के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र कुशीनगर जनपद में 71889 हेक्टेयर है जो शुद्ध बोये गये क्षेत्र का 33.16 प्रतिशत है, जबकि सबसे कम गोरखपुर (2209) तथा संतकबीर नगर (2209) जनपद में है जो शुद्ध बोये गये क्षेत्र के क्रमशः 0.93 तथा 1.94 प्रतिशत भाग पर गन्ने की कषशि होती है। क्षेत्र में गन्ना के लिए उपयुक्त दोमट मिट्टी, नम जलवायु, सममतल धरातल के कारण सिंचाई सुविधा की उपलब्धता के फलस्वरूप उत्पादन एवं उत्पादकता अधिक है। शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल में गन्ना की प्रतिशता की दषशिट से कुशीनगर (33.16 प्रतिशत) एवं बस्ती (20.52 प्रतिशत) जनपद उच्च स्तर के है। मध्यम स्तर के शुद्ध बोये गये (गन्ना) क्षेत्र वाले जनपद महरागंज (7.63 प्रतिशत) तथा देवरिया (4.10 प्रतिशत) है। सबसे कम फसल क्षेत्र के अन्तर्गत जनपदों में गोरखपुर (0.93 प्रतिशत), सिद्धार्थनगर (1.11 प्रतिशत) तथा संतकबीर नगर (1.94 प्रतिशत) है।

तालिका 01

गोरखपुर–बस्ती मण्डल में गन्ना फसल का प्रतीक अध्ययन (2018–19)

जनपद का नाम	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (हे०)	गन्ना के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हे०)	गन्ना के अन्तर्गत क्षेत्रफल (प्रतिशत में)	उत्पादकता (मि०टन/हे०)	कुल उत्पादन (मि० टन में)	उत्पादन प्रतिशत
गोरखपुर	238026	2209	0.93	68.91	152222	1.51
महराजगंज	199170	15205	7.63	76.39	1161540	11.51
कुशीनगर	216807	71889	33.16	71.84	5164494	51.20
देवरिया	196529	8054	4.10	71.29	574184	5.70
बस्ती	198510	40743	20.52	65.26	2659134	26.35

सिद्धार्थनगर	228272	2544	1.11	52.28	133003	1.32
संतकबीर नगर	113990	2209	1.94	110.84	244862	2.43
गोरखपुर–बस्ती मण्डल	1391301	142853	10.30	70.63	10089439	100

स्रोत : मण्डलीय सांख्यिकी पत्रिका (2018–19)

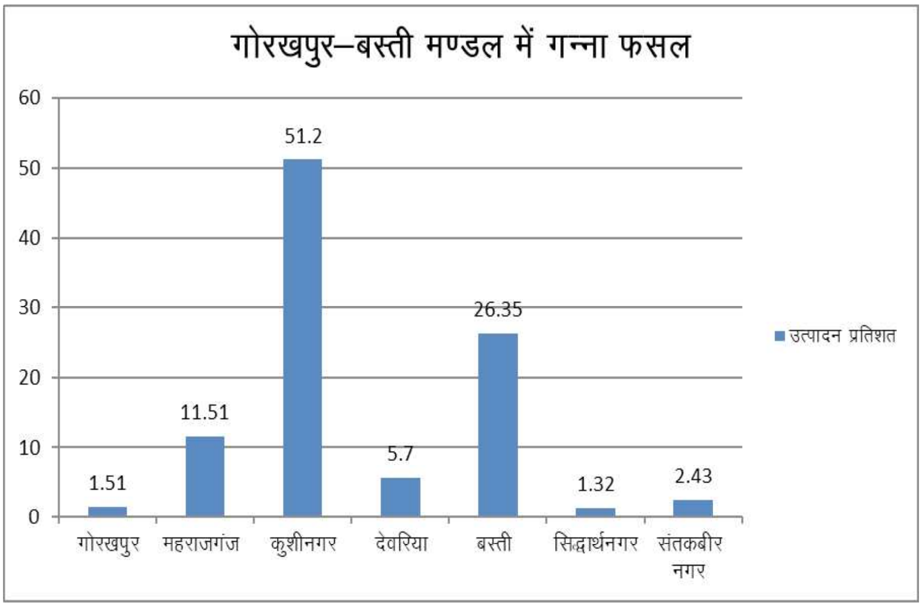

तालिका 2

गोरखपुर–बस्ती मण्डल : गन्ना कषशि के अन्तर्गत क्षेत्र (2018–19)

संवर्ग	संकेतक	जनपदों की संख्या व नाम
निम्न	<10	गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, देवरिया, महराजगंज
मध्यम	10–20	
उच्च	20<	कुशीनगर, बस्ती
योग	–	7

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

क्षेत्र में गन्ना का प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादकता 70.63 मिट्रिक टन है। प्रति हेक्टेयर गन्ना का सर्वाधिक उत्पादन सन्तकबीर नगर जनपद (110 मि0टन/हे0) में है। औसत से अधिक उत्पादकता वाले क्षेत्रों में संतकबीर नगर (110 मि0टन), महरागंज (76.39 मि0टन), कुशीनगर तथा देवरिया है। जबकि औसत से कम उत्पादकता वाले जनपदों में सिद्धार्थनगर (52.28 मि0टन), बस्ती तथा गोरखपुर है।

तालिका 3

गोरखपुर–बस्ती मण्डल : गन्ना उत्पादकता (2018–19)

संवर्ग	संकेतक	जनपदों की संख्या व नाम
निम्न	<65	सिद्धार्थनगर
मध्यम	65–75	कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती
उच्च	75<	संतकबीर नगर, महराजगंज
योग	–	7

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

अध्ययन क्षेत्र में गन्ने का उत्पादन 10089439 मिट्रिक टन होता है, जिसका सर्वाधिक भाग कुशीनगर (51.20 प्रतिशत) जनपद में 5164494 मिट्रिक टन है। तत्पश्चात बस्ती जनपद में 2659134 मिट्रिक टन (26.35 प्रतिशत) गन्ने का उत्पादन होता है। क्षेत्र में मध्यम गन्ना उत्पादक जनपद महराजगंज (11.51 प्रतिशत) है। जबकि सिद्धार्थनगर (1.32 प्रतिशत), गोरखपुर (1.51 प्रतिशत) एवं संतकबीर नगर, देवरिया जनपद निम्न गन्ना उत्पादक क्षेत्र है।

तालिका 4

गोरखपुर–बस्ती मण्डल : गन्ना उत्पादन (2018–19)

संवर्ग	संकेतक	जनपदों की संख्या व नाम
निम्न	<10	सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, संतकबीर नगर, देवरिया
मध्यम	10–20	महराजगंज
उच्च	20–30	बस्ती
अति	30<	कुशीनगर
योग	–	**7**

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

गन्ना विकास स्तर

गन्ना फसल का विकास स्तर ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित चरों को आधार बनाया गया है – 1. प्रत्येक जनपद का क्षेत्रफल प्रतिशत, 2. गन्ने का उत्पादन प्रतिशत, 3. प्रति हेक्टेयर गन्ने की उत्पादकता। इन सूचकांकों को अध्ययन क्षेत्र में जनपदवार मात्रात्मक स्थिति के अनुसार कोटिक्रम प्रदान किया गया है। इसके लिए सबसे अधिक को 1 तथा घटते हुए क्रम को 2, 3, 4कृकृकृ आदि कोटियाँ प्रदान की गयी है। पुनः विभिन्न चरों की कोटियों को जोड़ा गया है। इस प्रकार सबसे कम को प्रथम तथा सबसे अधिक को अन्तिम स्तर दिया गया है।

उच्च गन्ना विकास स्तर

इसके अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के दो जनपद कुशीनगर तथा महराजगंज सम्मिलित है। कुशीनगर जनपद में सर्वाधिक गन्ना विकास स्तर (5 सूचकांक) है। तत्पश्चात् महराजगंज जनपद (8 सूचकांकों के साथ) का स्थान है। कुशीनगर जनपद में अध्ययन क्षेत्र का सर्वाधिक गन्ना उत्पादन प्रतिशत (51.20 प्रतिशत) तथा सर्वाधिक गन्ना कर्षित क्षेत्रफल (33.16 प्रतिशत) व उच्च उत्पादकता के फलस्वरूप उच्च गन्ना विकास स्तर है।

तालिका 5

गोरखपुर–बस्ती मण्डल : गन्ना विकास स्तर (2018–19)

संवर्ग	संकेतक	जनपदों की संख्या व नाम
उच्च	<10	कुशीनगर, महराजगंज
मध्यम	10–15	बस्ती, संतकबीर नगर, देवरिया
निम्न	15<	गोरखपुर, सिद्धार्थनगर
योग	–	**7**

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

मध्यम गन्ना विकास स्तर

अध्ययन क्षेत्र. में मध्यम गन्ना विकास स्तर के अन्तर्गत तीन जनपद बस्ती, संतकबीर नगर तथा देवरिया सम्मिलित है। जिनका सूचकांक 10–15 के मध्य है। इन जनपदों में बस्ती 10 सूचकांक के साथ प्रथम स्थान पर है, जहाँ क्षेत्र की औसत से अधिक उत्पादन (26.35 प्रतिशत) तथा क्षेत्रफल (20.52 प्रतिशत) है।

निम्न गन्ना विकास स्तर

अध्ययन क्षेत्र में निम्न गन्ना विकास स्तर के अन्तर्गत दो जनपद गोरखपुर तथा सिद्धार्थनगर सम्मिलित है। दोनों जनपद 18 सूचकांकों के साथ सम्मिलित रूप से निम्न गन्ना विकास स्तर की श्रेणी में है। गोरखपुर तथा सिद्धार्थनगर जनपद में गन्ना के अन्तर्गत निम्न कर्षित क्षेत्र (क्रमशः 0.93 प्रतिशत तथा 1.11 प्रतिशत) निम्न उत्पादन (क्रमशः 1.51 तथा 1.32 प्रतिशत) तथा निम्न उत्पादकता (क्रमशः 68.91 मि0टन तथा 52.28 मि0 टन) के कारण गन्ना विकास का स्तर निम्न है।

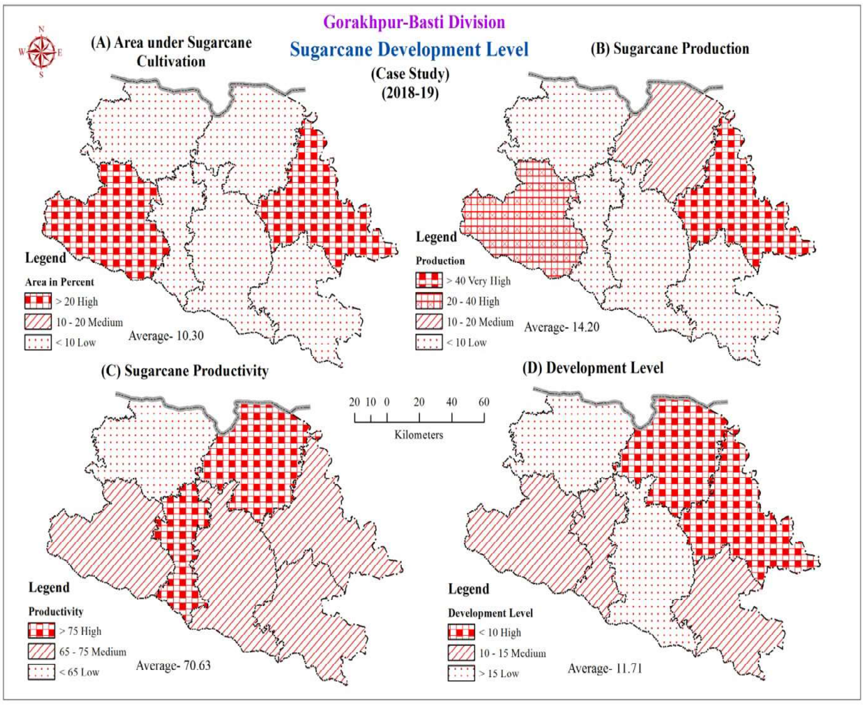

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र खनिज संसाधन विहीन क्षेत्र है किन्तु जलोढ़ निर्मित उपजाऊ, समतल मैदानी भूमि, सिंचाई की प्रचुर सुलभता तथा गन्ना कषशि के लिए उपयुक्त जलवायु के फलस्वरूप गन्ना का उत्पादन, उत्पादकता व उत्पादन क्षेत्र प्रतिशत सर्वाधिक है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र में अध्ययन क्षेत्र में उत्पादित प्रमुख औद्योगिक फसल गन्ना का प्रतीक अध्ययन किया गया है जिससे क्षेत्र में सम्भावी उद्योगों की स्थापना एवं विकास की रूपरेखा बनाई जा सके।

संदर्भ सूची

1. पाण्डेय, रवीन्द्र कुमार (2000) – ''पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों की समस्यायें एवं सम्भावनायें', शोध प्रबन्ध, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ0प्र0)।
2. वर्मा, आरती (2018) – ''संसाधन उपयोग एवं प्रादेशिक विकास : गोरखपुर एवं बस्ती मण्डल का तुलनात्मक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ0प्र0)।
3. गोरखपुर मण्डल, सांख्यिकी पत्रिका (2019) : अर्थ एवं संख्या प्रभाग उ0प्र0।
4. बस्ती मण्डल सांख्यिकी पत्रिका (2019) : अर्थ एवं संख्या प्रभाग उ0प्र0।